

शिक्षा निदेशालय, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली

वार्षिक पाठ्यक्रम

कक्षा - XII

विषय: भूगोल (कोड: 029)

(2026 – 2027)

पाठ्यक्रम सामग्री

भाग - अ	पाठ्य पुस्तक 1 - मानव भूगोल के मूल सिद्धांत
इकाई -1	<p>अध्याय 1- मानव भूगोल: - प्रकृति और विषय क्षेत्र</p> <ul style="list-style-type: none">मानव भूगोल का परिचयमानव भूगोल के अध्ययन के उपागम -क्रमबद्ध और प्रादेशिक उपागम , द्वैतवादमानव भूगोल की प्रकृतिमानव का प्राकृतिकरण और प्रकृति का मानवीकरणमानव भूगोल में विभिन्न विचारधाराएँमानव भूगोल के क्षेत्र और उप क्षेत्र
इकाई -2	<p>अध्याय 2- विश्व जनसंख्या- वितरण, घनत्व और वृद्धि</p> <ul style="list-style-type: none">जनसंख्या वितरण और घनत्वजनसंख्या वितरण को प्रभावित करने वाले कारकजनसंख्या वृद्धिजनसंख्या परिवर्तन के प्रमुख घटकजनाँकिकीय संक्रमणजनसंख्या नियंत्रण के उपाय <p>अध्याय 3 - मानव विकास</p> <ul style="list-style-type: none">मानव विकास – अवधारणा ,चुने हुए सूचकांकविकास और वृद्धिमानव विकास के चार स्तंभ

	<ul style="list-style-type: none"> मानव विकास के प्रमुख उपागम मानव विकास का मापन – मानव विकास सूचकांक (HDI) मानव गरीबी सूचकांक(HPI) सकल राष्ट्रीय प्रसन्नता(GNH) अन्तर्राष्ट्रीय तुलनाएँ
इकाई -3	<p>अध्याय 4 - प्राथमिक क्रियाएँ</p> <p>प्राथमिक क्रियाओं की अवधारणा एवं प्रकार</p> <ul style="list-style-type: none"> आखेट एवं भोजन संग्रहण पशुचारण – चलवासी पशुचारण ,वाणिज्य पशुधन पालन कृषि के प्रकार – आदिकालीन निर्वाह कृषि , गहन निर्वाह कृषि वाणिज्य कृषि - रोपण कृषि ,विस्तृत वाणिज्य अनाज कृषि , मिश्रित कृषि ,डेरी कृषि , भूमध्यसागरीय कृषि ,बाजार के लिए सब्जी और उद्भयान कृषि ,सहकारी कृषि, सामूहिक कृषि खनन व खनन को प्रभावित करने वाले कारक , खनन की विधियाँ <p>अध्याय 5- द्वितीयक क्रियाएँ</p> <ul style="list-style-type: none"> विनिर्माण:- आधुनिक बड़े पैमाने पर होने वाले विनिर्माण की विशेषताएँ उद्योगों की स्थिति को प्रभावित करने वाले कारक उद्योगों का वर्गीकरण- आकार के आधार पर ,कच्चे माल के आधार पर ,उत्पादन के आधार पर और स्वामित्व के आधार पर उच्च प्रौद्योगिकी उद्योग की संकल्पना
भाग-ब	भारत : लोग और अर्थव्यवस्था
इकाई -1	<p>अध्याय 1- जनसंख्या: वितरण, घनत्व और वृद्धि और संघटन</p> <ul style="list-style-type: none"> जनसंख्या वितरण जनसंख्या घनत्व जनसंख्या वृद्धि जनसंख्या वृद्धि की चार प्रावस्थाएँ जनसंख्या वृद्धि में क्षेत्रीय भिन्नताएँ जनसंख्या संघटन ग्रामीण- नगरीय संघटन,भाषायी संघटन ,धार्मिक संघटन श्रम जीवी जनसंख्या का संघटन बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ सामाजिक अभियान द्वारा जेंडर के प्रति संवेदनशीलता को बढ़ावा देना
इकाई - 2	

	<p>अध्याय 2- मानव बस्तियां</p> <ul style="list-style-type: none"> • ग्रामीण बस्तियाँ – प्रकार और वितरण • नगरीय बस्तियाँ – प्रकार और वितरण • भारत में नगरों का विकास • भारत में नगरीकरण नगरों का प्रकार्यात्मक वर्गीकरण • स्मार्ट सिटी मिशन
इकाई -3	<p>अध्याय 3 – भू-संसाधन और कृषि</p> <ul style="list-style-type: none"> • भू-संसाधन- सामान्य भू- उपयोग • भू-उपयोग का वर्गीकरण • भारत में भू- उपयोग परिवर्तन • सांझा सम्पत्ति संसाधन • भारत में कृषि भू- उपयोग • भारत में फसल ऋतुएँ • कृषि के प्रकार • प्रमुख फसलों के उत्पादन की भौगोलिक दशाएँ और वितरण – (गेहूँ, चावल,चाय,कहवा,कपास, जूट, गन्ना और रबर) • भारत में कृषि विकास • कृषि उत्पादन में वृद्धि तथा प्रौद्योगिकी का विकास • भारतीय कृषि की समस्याएँ <p>अध्याय 4- जल संसाधन</p> <ul style="list-style-type: none"> • जल संसाधन – धरातलीय जल संसाधन भौम जल संसाधन • लैगून और पश्च जल • जल की मांग और उपयोग -सिंचाई, घरेलू औद्योगिक और अन्य उपयोग • संभावित जल समस्या – जल के गुणों का हास • जल संरक्षण एवं जल प्रबंधन • जल प्रदूषण का निवारण जल संभर प्रबंधन और वर्षा जल संग्रहण <p>अध्याय 5 - खनिज और ऊर्जा संसाधन</p> <ul style="list-style-type: none"> • खनिज संसाधन: परिचय और प्रकार • प्रमुख खनिज पेटियाँ • लौह खनिजों का वितरण (लौह खनिज,मैगनीज) अलौह खनिज (बाक्साइट,तांबा) अधात्विक खनिज (अभ्रक) • ऊर्जा संसाधन :परम्परागत ऊर्जा स्रोत(कोयला,पेट्रोलियम,और प्राकृतिक गैस) और अपरम्परागत

	<p>ऊर्जा स्रोत (नाभिकीय ऊर्जा, सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा ज्वारीय व तरंग ऊर्जा भूतापीय ऊर्जा एवं जैव ऊर्जा)</p> <ul style="list-style-type: none"> • खनिज संसाधनों का संरक्षण <p>अध्याय 6 – भारत के संदर्भ में नियोजन और सतत पोषणीय विकास</p> <ul style="list-style-type: none"> • नियोजन – अवधारणा • क्षेत्र नियोजन : पर्वतीय क्षेत्र विकास कार्यक्रम , सूखा संभावी क्षेत्र विकास कार्यक्रम • सतत पोषणीय विकास की अवधारणा केस अध्ययन :- <ol style="list-style-type: none"> 1 भरमौर क्षेत्र में समन्वित जनजातीय विकास कार्यक्रम 2 इंदिरा गांधी नहर कमान क्षेत्र
--	---

<p>भाग -C</p>	<p>प्रायोगात्मक कार्य</p> <p>अध्याय 1 आंकड़े -स्रोत और संकलन</p> <ul style="list-style-type: none"> • आंकड़े क्या है, आंकड़ों के स्रोत प्राथमिक स्रोत, द्वितीयक स्रोत – अप्रकाशित स्रोत • आंकड़ों का सारणीयन और वर्गीकरण • आंकड़ों का प्रक्रमण • आवृत्ति बहुभुज <p>अध्याय 2 आंकड़ों का प्रक्रमण</p> <ul style="list-style-type: none"> • आंकड़ों का सारणीयन और प्रक्रमण • केंद्रीय प्रवृत्ति की माप माध्य, माधिका बहुलक • माध्य माधिका और बहुलक की तुलना
----------------------	---

मध्यावधि परीक्षा का पाठ्यक्रम 05/09/2026 को समाप्त किया जायेगा

मध्यावधि परीक्षा के लिए पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति

मध्यावधि परीक्षा 2026

मध्यावधि परीक्षा मे आए प्रश्न-पत्र पर चर्चा

भाग क	मानव भूगोल के मूल सिद्धांत
इकाई III	<p>अध्याय 6- तृतीयक और चतुर्थक क्रियाएँ</p> <ul style="list-style-type: none">• तृतीयक क्रियाओं की अवधारणा और उनके प्रकार• वाणिज्य और व्यापार ; फुटकर और थोक व्यापार, परिवहन, परिवहन को प्रभावित करने वाले कारक• संचार• सेवाएँ• तृतीयक क्रियाकलापों मे संलग्न लोग• पर्यटन ,प्रमुख पर्यटन प्रदेश• पर्यटन आर्कषण कुछ चयनित देशों के उदाहरण• भारत में समुन्द्र पार रोगियों के लिए स्वास्थ्य सेवाएँ• चतुर्थ और पंचम क्रियाएँ• अंकीय विभाजन <p>अध्याय 7- परिवहन, संचार और व्यापार</p> <ul style="list-style-type: none">• परिवहन• परिवहन की विधाएँ• स्थल परिवहन: सडक परिवहन, मुख्य सडके सडक घनत्व, सीमावर्ती सडके• रेल परिवहन :- पार महाद्वीपीय रेलमार्ग, पार साइबेरियन, पार कैनेडियन. पार आस्ट्रेलियन रेल मार्ग• जल परिवहन:- महत्वपूर्ण समुंद्री जल मार्ग, नौ परिवहन नहरें, आंतरिक जलमार्ग• वायु परिवहन:- अंतर- महाद्वीपीय वायु मार्ग• पाइपलाइन• संचार:- उपग्रह संचार और साइबर स्पेस इंटरनेट <p>अध्याय 8- अंतर्राष्ट्रीय व्यापार</p>

	<ul style="list-style-type: none"> • अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का इतिहास • अंतर्राष्ट्रीय व्यापार अस्तित्व में क्यों • अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के आधार • व्यापार संतुलन • अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के प्रकार: द्विपार्श्विक व्यापार , बहु पार्श्विक व्यापार • मुक्त व्यापार की स्थिति • डंपिंग की अवधारणा • विश्व व्यापार संगठन • क्षेत्रीय व्यापारिक ब्लाक • अंतर्राष्ट्रीय व्यापार से संबंधित मामले • पत्तन अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के प्रवेश द्वार: पत्तन • पत्तनो के प्रकार
भाग- ख	भारत: लोग और अर्थव्यवस्था
इकाई - 4	<p>अध्याय 7- परिवहन और संचार</p> <ul style="list-style-type: none"> • परिवहन के साधन : स्थल (सड़क परिवहन, रेल परिवहन, तेल और गैस पाइप लाइन), जल परिवहन (अंतः स्थलीय जल मार्ग और महासागरीय जलमार्ग) , वायु परिवहन • संचार जाल : वैयक्तिक संचार और जन संचार तंत्र <p>अध्याय 8 - अंतर्राष्ट्रीय व्यापार</p> <ul style="list-style-type: none"> • भारत के आयात और निर्यात संघटन के बदलते प्रतिरूप • व्यापार की दिशा • समुन्द्री पत्तन अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के प्रवेश द्वार के रूप में • प्रमुख समुन्द्री पत्तन और उनके प्रष्ठ प्रदेश • वायु पत्तन
इकाई - 5	<p>अध्याय 9 - भौगोलिक परिप्रेक्ष्य में चयनित मुद्दे और समस्याएँ</p> <ul style="list-style-type: none"> • पर्यावरणीय प्रदूषण- अवधारणा और प्रकार • नगरीय अपशिष्ट का निबटान • ग्रामीण – शहरी प्रवास केस अध्ययन • गंदी बस्तियों की समस्याएँ

- भू-निम्नीकरण केस अध्ययन

भाग-ग	प्रायोगात्मक कार्य
	<p>अध्याय 1 आंकड़े - स्रोत और संकलन</p> <ul style="list-style-type: none"> • आंकड़े क्या है, आंकड़ों के स्रोत प्राथमिक स्रोत, द्वितीयक स्रोत – अप्रकाशित स्रोत • आंकड़ों का सारणीयन और वर्गीकरण • आंकड़ों का प्रक्रमण • आवृत्ति बहुभुज <p>अध्याय 2 आंकड़ों का प्रक्रमण</p> <ul style="list-style-type: none"> • आंकड़ों का सारणीयन और प्रक्रमण • केंद्रीय प्रवृत्ति की माप माध्य, माधिका बहुलक • माध्य माधिका और बहुलक की तुलना <p>अध्याय 3 आंकड़ों का आलेखी निरूपण</p> <ul style="list-style-type: none"> • आंकड़ों का आलेखी निरूपण -आरेखो की रचना के सामान्य नियम ,ग्राफ, मानचित्र , रेखा ग्राफ की रचना ,दंड आरेख, वृत्त आरेख,बहुदंड आरेख साधारण दंड आरेख,प्रवाह संचित्र की रचना • बिन्दुकित मानचित्र,वर्णमात्री मानचित्र ,सम्मान रेखा मानचित्र <p>अध्याय 4- स्थानिक सूचना प्रौद्योगिकी</p> <ul style="list-style-type: none"> • भौगोलिक सूचना तंत्र की अवधारणा .भौगोलिक सूचना तंत्र के लाभ ,भौगोलिक सूचना तंत्र के घटक ,स्थानिक आंकड़ा फार्मेट ,भौगोलिक सूचना तंत्र की क्रियाओं अनुक्रम -स्थानिक आंकड़ा निवेश,गुण न्यास की प्रविष्टि ,आंकड़ों का सत्यापन और संपादन, स्थानिक गुण न्यास आंकड़ों की सहलगता ,स्थानिक विश्लेषण ,अभिचित्रण विश्लेषण और बफर विश्लेषण <p>आंतरिक मूल्यांकन/प्रायोगिक भूगोल के लिए दिशा-निर्देश</p> <ul style="list-style-type: none"> • छात्रों द्वारा एक प्रायोगिक फाइल तैयार की जानी चाहिए। जिसमें प्रायोगिक पाठ्यक्रम में निर्धारित सभी अध्यायों का समावेश हो। • फ़ाइल मुख पृष्ठ,विषय सूची तथा स्वीकृति पृष्ठ के साथ सम्पूर्ण रूप से हस्तलिखित होनी चाहिए।

- सभी सांख्यिकीय आरेख और मानचित्र उचित शीर्षकों, पैमाने, सूचकांक आदि के साथ बहुत सुव्यवस्थित ढंग से तैयार किए जाने चाहिए। सांख्यिकीय आरेख बनाने के लिए आंकड़े एनसीईआरटी पाठ्य पुस्तक या जनगणना (सेन्सस) से लिया जा सकते हैं।
- सीबीएसई प्रायोगिक परीक्षाओं के समय आंतरिक और बाह्य परीक्षकों द्वारा प्रायोगिक फाइल का मूल्यांकन किया जाएगा
- प्रैक्टिकल परीक्षा के दिन उपरोक्त दिए गए प्रायोगिक पाठ्यक्रम के आधार पर 25 अंकों की लिखित परीक्षा आयोजित की जाएगी।
- मौखिक परीक्षा का आयोजन प्रायोगिक पाठ्यक्रम के आधार पर ही किया जाएगा।
- लिखित परीक्षा - 25 अंक
- प्रैक्टिकल फाइल - 02 अंक
- मौखिक परीक्षा - 03 अंक

प्री-बोर्ड परीक्षा का पाठ्यक्रम 05/12/2026 को समाप्त किया जाएगा

प्री-बोर्ड परीक्षा 2025-2026 की तैयारी के लिए सहायक सामग्री और विभाग की साइट पर अप लोड प्रश्नपत्र का प्रयोग और पिछले वर्षों CBSE बोर्ड में प्रयोग हुए प्रश्न पत्रों की सहायता से पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति करें।

प्री-बोर्ड परीक्षा 2026-2027

प्री-बोर्ड प्रश्न पत्र पर चर्चा

बोर्ड परीक्षा 2026-2027

नोट: – प्री-बोर्ड परीक्षा पूरे पाठ्यक्रम पर आधारित होगी

- इकाई अनुसार अंक वितरण देखने के सीबीएसई द्वारा दिया गया सत्र 2025-2026 का वार्षिक परीक्षा पाठ्यक्रम देखें
- यदि बारहवीं कक्षा के पाठ्यक्रम के बारे में कोई प्रश्न है, तो कृपया सीबीएसई शैक्षणिक वेबसाइट सत्र 2026-2027 द्वारा प्रदान किए गए पाठ्यक्रम का सख्ती से पालन करें।
- आप क्यूआर कोड स्कैन कर सकते हैं और सिलेबस पढ़ सकते हैं

पाठ पुस्तक-1 मानव भूगोल के मूल सिद्धांत
केवल विश्व के राजनीतिक मानचित्र पर पहचान के लिए मर्दें

प्रथम अवधि परीक्षा के लिए मानचित्र मर्दें की सूची (2026-2027)

अध्याय संख्या	अध्याय का नाम	ली गयीं मर्दें
अध्याय – 1	मानव भूगोल:- प्रकृति और विषय क्षेत्र	NIL
अध्याय - 2	विश्व जनसंख्या- वितरण, घनत्व और वृद्धि	NIL
अध्याय – 3	मानव विकास	NIL
अध्याय – 4	प्राथमिक क्रियाएँ	<ol style="list-style-type: none"> 1) निर्वाहन संग्रहण का क्षेत्र (चित्र 4.2) 2) विश्व के चलवासी पशुचारण के प्रमुख क्षेत्र (चित्र 4.4) 3) वाणिज्यिक पशुधन पालन के प्रमुख क्षेत्र। (चित्र 4.6) 4) विस्तृत वाणिज्यिक अनाज कृषि के प्रमुख क्षेत्र। (चित्र 4.12) 5) विश्व में मिश्रित कृषि के प्रमुख क्षेत्र (चित्र 4.14) NIL
अध्याय 5	द्वितीयक क्रियाएँ	

द्वितीय अवधि परीक्षा (2026-2027) के लिए मानचित्र मर्दें की सूची

अध्याय 6	तृतीयक और चतुर्थक क्रियाएँ	NIL
अध्याय 7-	परिवहन, संचार और व्यापार	पार-महाद्वीपीय रेलवे के टर्मिनल स्टेशन- ट्रांस साइबेरियन, ट्रांस कनाडियन , ट्रांस ऑस्ट्रेलियन रेलमार्ग।
		<p>प्रमुख समुद्री पत्तन :</p> <p>यूरोप: उत्तरी केप, लंदन, हैम्बर्ग।</p> <p>उत्तरी अमेरिका: वैकूवर, सैन फ्रांसिस्को, न्यू ऑरलियन्स।</p> <p>दक्षिण अमेरिका: रियो डी जनेरियो, कोलोन , वालपराइसो,</p> <p>अफ्रीका: स्वेज और केप टाउन</p> <p>एशिया: योकोहामा, शंघाई, हांगकांग, अदन, कराची, कोलकाता</p> <p>ऑस्ट्रेलिया: पर्थ, सिडनी, मेलबर्न</p> <p>प्रमुख वायु पत्तन :-</p> <ul style="list-style-type: none"> ● एशिया: टोक्यो, बीजिंग, मुंबई, जेद्दा, अदन ● अफ्रीका: जोहान्सबर्ग और नैरोबी ● यूरोप: मास्को, लंदन, पेरिस, बर्लिन, रोम ● उत्तरी अमेरिका: शिकागो, न्यू ऑरलियन्स, मैक्सिको सिटी। ● दक्षिण अमेरिका: ब्यूनस आयर्स, सैंटियागो ● ऑस्ट्रेलिया: डार्विन और वेलिंगटन <p>अन्तः भूमि जलमार्ग :-</p> <p>स्वेज़ नहर, पनामा नहर, राइन जलमार्ग , सेंट लॉरेंस समुद्री मार्ग</p>
अध्याय -8	अंतर्राष्ट्रीय व्यापार	NIL

भारत – लोग और अर्थव्यवस्था

कक्षा 12 (पाठ्य पुस्तक-II NCERT)

मानचित्र मर्दे ,केवल भारत के राजनीतिक मानचित्र पर पहचान करने और लेबल करने के लिए मर्दे

प्रथम अवधि परीक्षा के लिए मानचित्र मर्दों की सूची (2026-2027)

अध्याय संख्या	अध्याय का नाम	ली गयी मर्दे
अध्याय 1	जनसंख्या- वितरण, घनत्व,वृद्धि,और संघटन	जनसंख्या घनत्व के उच्च स्तर वाला राज्य और जनसंख्या घनत्व के निम्नतम स्तर वाला राज्य (2011)
अध्याय 2	मानव बस्तियां	NIL
अध्याय 3	भू- संसाधन और कृषि	निम्नलिखित फसलों के प्रमुख उत्पादक राज्य: (a) चावल (b) गेहूं (c) कपास (d) जूट (e) गन्ना (f) चाय (g) कॉफी
अध्याय 4	जल संसाधन	NIL
अध्याय 5	खनिज और ऊर्जा संसाधन	खदानें : लौह अयस्क खदानें: मयूरभंज, बैलाडीला, रत्नागिरी, बेल्तारी मैंगनीज खदानें: बालाघाट, शिमोगा तांबा खदानें: हजारीबाग, सिंहभूम, खेतडी . बॉक्साइट खदानें: कटनी, बिलासपुर और कोरापुट कोयला खदानें: झरिया, बोकारो, रानीगंज, नेवेली तेल शोधनशाला: मथुरा, जामनगर, बरौनी .
अध्याय 6	भारतीय संदर्भ में योजना और सतत विकास	NIL
द्वितीय अवधि परीक्षा (2026-2027) के लिए मानचित्र मर्दों की सूची		
अध्याय 7	परिवहन और संचार	NIL
अध्याय 8	अंतर्राष्ट्रीय व्यापार	प्रमुख समुद्री पत्तन : कांडला, मुंबई, मर्मगाओ, कोच्चि, मैंगलोर, तूतीकोरिन, चेन्नई, विशाखापत्तनम, पाराद्वीप,

		हल्दिया अंतर्राष्ट्रीय वायु पत्तन : अहमदाबाद, मुंबई, बेंगलुरु, चेन्नई, कोलकाता, गुवाहाटी, दिल्ली, अमृतसर, तिरुवनंतपुरम और हैदराबाद
अध्याय 9	भौगोलिक परिप्रेक्ष्य में चयनित मुद्दे तथा समस्याएं	NIL
<p>नोट: – प्री-बोर्ड परीक्षा की मानचित्र मर्दें , मानचित्र मर्दों के पूरे पाठ्यक्रम पर आधारित होंगे।</p> <p>पाठ्य क्रम से संबंधित किसी भी समस्या या प्रश्न के लिए CBSE 2026-2027 द्वारा जारी पाठ्य क्रम का पालन करे ।</p>		

प्रश्न पत्र परारूप भूगोल कक्षा 11 और कक्षा 12 के लिए सत्र 2026-2027

आयाम DOMAIN	Total %
स्मरण/ पहचान और समझ (remembering and understanding) सामान्य अवधारणाओं, शब्दों, तथ्यों, आकड़ों और सूचनाओं को स्मरण करना । तथ्यों विचारों को समझ के साथ व्यवस्थित करना , उनकी तुलना करना , अनुवादित/ व्याख्या करना विवरण देना , मुख्य विचार को समझ कर प्रकट करना	41%
अनुप्रयोग (Application) सीखे हुए ज्ञान/अवधारणा को नई परिस्थिति में प्रयोग करना, तथ्यों, तकनीको, कौशल व नियमों और सिद्धांतों को नई परिस्थिति में अमूर्तता का बिना किसी प्रेरणा के उपयोग करना / क्रियान्वित / लागू करना	37%
विश्लेषण, मूल्यांकन और उत्पादि करना/ बनाना/ रचना करना/ निर्माण करना/योजना बनाना/ सूचनाओं को तोड़कर या जोड़कर नए विचार उत्पन्न करना/ प्रमाण देकर सिद्ध करना/ न्याय संगत ठहराना (analyzing, evaluating and creating) सीखे हुए ज्ञान/ प्राप्त जानकारी को विभाजित करना और जाँचना तथा यह निर्धारित करना कि एक भाग दूसरे भाग से या समग्र संरचना या उद्देश्य से किस प्रकार संबंधित हैं। उद्देश्यो या कारणों की पहचान करके ताकि उनकी संगठनात्मक संरचना को समझा जा सके । तथ्यों और अनुमानों के बीच अंतर कर सके । अनुमान लगाना सामान्यीकरण करके समर्थन करने के लिए सबूत खोजना । संश्लेषण करके विविध तथ्यों से एक संरचना या परारूप बनाना । एक नया अर्थ या नई संरचना बनाने पर जोर देते हुए सभी भागों को एक साथ जोड़ कर संपूर्ण बनाना । रचना/निर्माण करना(Creating) :- तत्वों को एक साथ जोड़ कर एक नया सुसंगत या कार्यात्मक संपूर्ण बनाना तत्वों को एक नया परारूप या संरचना में पुर्गठित करना ।	22%

TOTAL	100%
--------------	-------------

निर्धारित पुस्तकें:

1. मानव भूगोल के मूल सिद्धांत, कक्षा XII, NCERT द्वारा प्रकाशित।
2. भारत - लोग और अर्थव्यवस्था, कक्षा XII, NCERT द्वारा प्रकाशित।
3. भूगोल में व्यावहारिक कार्य, कक्षा बारहवीं, एनसीईआरटी द्वारा प्रकाशित

नोट:

1. उपरोक्त पाठ्यपुस्तकें हिंदी और अंग्रेजी दोनो माध्यम में उपलब्ध हैं।
2. कृपया सभी एनसीईआरटी पाठ्यपुस्तकों के नवीनतम संस्करणों को देखें।